जाग उठा हमारा
आजाद हिन्दुस्तान
सच के साथ.....

RNI No.-MPHIN/2001/14172

AZAD हिन्दुस्तान LIVE

वर्ष-23 अंक- 48 इन्दौर/खरगोन/बड़वाह 05 दिसम्बर 2023 सम्पादक : नवरत्नमल जैन Email.azadindore@gmail.com पेज-4 वार्षिक मूल्य- 150 रु.

प्रदेश में भाजपा की प्रचंड जीत

मुकद्दर का सिकन्दर बनकर उभरे सचिन बिरला की शानदार जीत। कांग्रेस के सपने हुये चकनाचूर

अन्दरूनी एवं बाहरी साजीशों के बावजूद बजा सचिन बिरला की जीत का डंका

आभार बड़वाह

परम सम्मानीय नागरिक भाई बहनों
विधानसभा क्षेत्र , बड़वाह
सादर वन्दे।

अभी हाल ही में 3 दिसम्बर को हुई मतगणना के बाद आप सभी के अथाह समर्थन से प्रदेश में एक बार फिर से भाजपा सरकार की सरकार बनी वहीं बड़वाह विधानसभा क्षेत्र में आप सभी के द्वारा जिस भारी समर्थन से फिर से विधायक चुना गया उसके लिये मै आपका दिल से कृतज्ञ हूं। आप सभी को इस एतिहासिक विजयी पल पर दिल से ढेरों बधाईयां ....

मेने हमेशा अपने आपको विधायक नही बल्कि बड़वाह क्षेत्र का एक जनसेवक एवं बेटा ही माना है। पूर्व में भी आपके प्रेम का ही प्रतिफल था कि आपने मुझे रिकार्ड जीत के साथ विधायक चुना और भाजपा की राष्ट्रीय विचारधारा के साथ जुडने के बाद इस विधानसभा चुनाव में भी शानदार जीत दिलाकर यह साबित कर दिया कि सचिन बिरला क्षेत्र की जनता के दिलों में बसा है और सचिन बिरला के दिल में बस बड़वाह बसा है

मेरा हमेशा यहीं प्रयास रहा कि बड़वाह विधानसभा क्षेत्र के विकास मे कोई कसर नही रखूं। केन्द्र एवं राज्य सरकार की जितनी भी जनकल्याणकारी योजनाऐं मूर्त रूप में लागू है उन्हे उसके वास्तविक हितग्राही तक पहूंचा सकूं। अब लगातार दूसरी जीत के बाद यह जिम्मेदारी और बढ़ चुकी है। मै आपको पूरा विश्वास दिलाता हूं कि आपका यह बेटा आपकी कसौटी पर खरा उतरने में कभी पीछे नही हटेगा।

बड़वाह विधानसभा क्षेत्र से भाजपा एवं मुझे मिली यह जीत कोई मेरी नही है बल्कि इस जीत का श्रेय केवल आप सभी नागरिकों को जाता है जिन्होने अन्दरूनी एवं बाहरी अनैक चुनौतियों का डटकर मुकाबला कर मुझ पर अपना विश्वास कायम रखा।

मै उन सभी भाजपा कार्यकर्ताओं,भाजपा संगठन के पदाधिकारियों एवं चुनावी रणनीति में सतत लगे सूत्रधारों के साथ ही उन सभी साथियों एवं मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूं जिनके समर्थन एवं अथक मेहनत से यह शानदार जीत हांसिल हुई। आगे भी आपका यही प्रेम , स्नेह एवं समर्थन हमेशा बना रहे जिससे बड़वाह विधानसभा क्षेत्र के विकास में हमेशा आगे बढ सकूं।

आपका अपना

सचिन बिरला - विधायक बड़वाह

बड़वाह -3 दिसम्बर को हुई विधानसभा चुनावों में मतगणना के बाद जहां मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं छत्तीसगढ में भाजपा ने अपना जीत का परचम लहराया वहीं प्रदेश में अब तक की सबसे ऐतिहासिक जीत अर्जित करते हुये 230 में से 163 सीटे जीतकर कांग्रेस के सपनों को पूरी तरह चकनाचूर कर दिया। खरगोन जिले में भी भाजपा ने कांग्रेस से 3 सीटे छीनकर करारा झटका दिया। जिले की जिन तीन सीटों पर भाजपा ने भगवा फहराया वे सभी सीटे कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के कब्जे में थी। खरगोन में जहां कांग्रेस के रविजोशी को भाजपा के श्री बालकृष्ण पाटीदार ने 13795 वोटों से पराजित किया वहीं महेश्वर में एक क्षत्र राज करने वाली कांग्रेस की पूर्व केबीनेट मंत्री सुश्री विजय लक्ष्मी साधौ से भाजपा के राजकुमार मेव ने 5919 मतों के अन्तर से जीत छीनकर विजयश्री अजित की।

जिले की सबसे शानदार जीत रही बड़वाह विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सचिन बिरला की। श्री बिरला के आलराउंडर गेम के सामने कांग्रेस की पूरी रणनीति धराशाही होगई और उन्होने पिछले चुनावों में अपनी ही जीती हुई सीट पर अब कांग्रेस के नरेन्द्र पटेल को 5499 मतों से हराकर जीत का डंका बजा दिया।

मुकद्दर का सिकन्दर बनकर उभरे सचिन बिरला ...

कहते है ना की जिसका भाग्य बुलंदी पर हो ,और जिसे खुद पर पूरा भरोसा हो उसे सारे जमाने की साजिशे मिलकर भी हरा नहीं सकती। बल्कि हर चुनौती एवम साजिशो के बीच भी वो मुकद्दर का सिकंदर बनकर विजेता के रूप में जननायक के रूप में लोगो के दिलो पर राज करता है। बड़वाह विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सचिन बिरला की 5499 मतों से हुई ऐतिहासिक जीत इसी कहावत को चरितार्थ करती नजर आती है।

सचिन बिरला को राजनीति में मुकद्दर का सिकन्दर यू हीं नही कहा जा रहा है बल्कि इस चुनाव में जीत के बाद यह साबित हो गया कि राजनीति में उन्होने जहां भी कदम रखा वहां कामयाबी उनके साथ रही। जब वे कांग्रेस मे रहे तो उन्होने वहां पर सफलता के झंडे गाडे और अब तक की सबसे बडी रिकार्ड जीत अर्जित कर विधायक बने और आज जब वे भाजपा में आये और पार्टी ने उन्हे चुनाव लडने का अवसर दिया तो उन्हे हराने की लाख कोशिशों के बाद भी शानदार जीत अर्जित कर यह दिखा दिया कि सचिन बिरला बड़वाह की राजनीति का वो नायाब चाणक्य है जिसके सामने विरोधियों को नतमस्तक होना ही पडता है।

शिवराज के विश्वास पर खरा उतरे सचिन बिरला .....

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए सचिन बिरला को बड़वाह विधानसभा क्षेत्र से टिकिट मिलना खुद सचिन बिरला एवम मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन चुका था। क्यों कि पार्टी में लाख विरोध के बावजूद मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान सचिन बिरला के टिकिट के लिए अड़े रहे और उन्हें टिकिट मिलने में सफलता मिली। लेकिन अब बारी थी सचिन बिरला की जिन्हे मुख्यमंत्री के विश्वास पर खरा उतरकर दिखाना था। कांग्रेस ने पूर्व सांसद ताराचंद पटेल के भतीजे नरेंद्र पटेल को टिकिट देकर नया दांव खेला। कांग्रेस को विश्वास था कि नरेंद्र पटेल को गुर्जर समाज के परंपरागत वोटो का ज्यादातर हिस्सा ,टिकिट नही मिलने से नाराज राजपूत समाज तथा मुस्लिम समाज के एकमुश्त वोट से नरेंद्र पटेल को विजयश्री मिल जाएगी।

लेकिन कांग्रेस की सारी रणनीति सचिन बिरला की चाणक्य नीति के सामने पूरी तरह फेल हो गई। चुनावी प्रबंधन के सारे सूत्र सचिन बिरला ने खुद एवम अपने खास विश्ववस्नीय लोगो के हाथो में रखे। जिससे सचिन बिरला के खिलाफ चल रही अंदरूनी एवम बाहरी साजिशे निस्फल साबित हो गई।

बड़वाह एवम काटकुट क्षेत्र में सचिन बिरला के खिलाफ नाराजगी को खूब प्रचारित किया गया लेकिन चुनाव के अंतिम दिनों में सचिन बिरला के लाजवाब मैनेजमेंट ने ऐसा जादू दिखाया कि इस क्षेत्र से मिली 6500 से अधिक वोटो की मिली बढ़त को कांग्रेस के नरेंद्र पटेल अंतिम दौर तक नही पिछाड पाए और आखिर सचिन बिरला ने 5499 मतों से शानदार जीत हासिल की।

सत्ता विरोधी लहर एवम सचिन बिरला के बहुप्रचारित विरोध के बावजूद कांग्रेस को सफलता नहीं मिलना कही न कही सचिन बिरला की ताकत के बारे में कांग्रेस के गलत आंकलन एवम अतिआत्मविश्वास में रहना रहा जो नरेंद्र पटेल के खिलाफ गया। वही गुर्जर समाज के वोटो में सचिन बिरला द्वारा लगभग 50 प्रतिशत वोट अपने साथ लाने में सफल होने के साथ ही राजपूत एवम मुस्लिम समाज समाज के वोटो में वे भी सेंधमारी में सफल हो गए। इस जीत के साथ ही वे मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के विश्वास पर भी खरा उतरने में कामयाब रहे।

सचिन बिरला की जीत के प्रमुख सूत्रधार

वैसे तो भाजपा में संगठन ही चुनाव लडता है और संगठन की रणनीति के आधार पर ही चुनाव की रणनीति बनाई जाती है। लेकिन इस चुनाव में संगठन से ज्यादा खुद सचिन बिरला की चाणक्य की नीति चुनावी सफलता का प्रमुख कारण रही। उन्होने चुनावी प्रबंधन के सारे सूत्र अपने हाथों में रखते हुये संगठन के साथ ही अपने उन विश्वासनीय सिपाहसलारो को चुनावी कमान सौपी जो कांग्रेस की हर रणनीति को भेदने एवं चुनावी जीत को दोहराने में कामयाब हो सके।

बड़वाह में जीत के प्रमुख सूत्रधार -

बड़वाह विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की जीत का प्रमुख आधार बड़वाह एवं काटकूट क्षेत्र से मिली शुरूआती बढत रही है। यहां से मिली लीड केचलते ही भाजपा कांग्रेस की संभावित बढत को रोकने में कामयाब रहती है। इस बार ये दोनो क्षेत्र सचिन बिरला के लिये चुनौती माने जा रहे थे। सचिन बिरला के अन्दरूनी एवं बाहरी विरोधियों ने इस बात को प्रचारित करने में कोई कसर नही छोडी थी कि इस बार काटकूट एवं बड़वाह क्षेत्र में श्री बिरला के खिलाफ भारी नाराजगी का माहौल है लेकिन सचिन बिरला के विश्वसनीय सिपाहसलार नेताओं ने ऐसी रणनीति पर कामयाब किया कि यह सारा दुस्प्रचार निस्फल साबित होगया और सचिन बिरला को इस बार भी इस क्षेत्र से लगभग 6500 मतों की शानदार जीत मिली। जो जीत की घोषणा होने तक विजय का आधार बनी रही। कांग्रेस के प्रत्याशी नरेन्द्र पटेल इस लीड को समाप्त करने में कामयाब नही हो सके। इस बार सचिन बिरला को जीत दिलाने में जिन भाजपा नेताओं ने पूर्ण निष्ठा के साथ रणनीति बनाकर काम किया उनमें बड़वाह क्षेत्र से जहां नगर पालिका अध्यक्ष राकेश गुप्ता,उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल,जिला महामंत्री महिम ठाकुर,अनोकचंद मंडलोई,गणेश पटेल,सन्नी भाटिया ,महेश गुर्जर का नाम प्रमुख है वहीं काटकूट क्षेत्र में जीत के प्रमुख सूत्रधार बनें सचिन बिरला के के सबसे विश्वसनीय साथी नरहरी दांगी एवं खुद के साले बद्री पटेल। जिनकी दिनरात मेहनत एवं कारगर रणनीति के चलते विरोधियों की सारी साजीशे एवं कांग्रेस की पूरी रणनीति फेल होगई और एक बार फिर इस क्षेत्र से भाजपा मजबूत होकर उभरने में कामयाब रही।

बड़वाह वासियों ने पलक पावडे बिछाकर किया स्वागत, जेसीबी से की पुष्पवर्षा, हाईड्रा पर झुलाया झुला

चुनाव परिणाम के दूसरे दिन सौमवार को नवनिर्वाचित विधायक सचिन बिरला बड़वाह आये तो मानो पूरा शहर स्वागत में उमड पडा। भाजपा कार्यालय से प्रारंभ हुआ विजय जुलुस शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुये नागेश्वर मन्दिर पहूंचा जहां विधायक श्री सचिन बिरला ने नागेश्वर भगवान की पूजा अर्चना की। रास्ते में महेश गुर्जर मित्र मंडल, अनोक चंद मंडलोई मित्र मंडल, सन्नी भाटिया मित्र मंडल, गणेश पटेल मित्र मंडल, लादूराम साहू मित्र मंडल, मांटी संघु मित्र मंडल , राजेश जायसवाल मित्र मंडल, महिम ठाकुर मित्र मंडल सहित अनेक सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों ने शानदार स्वागत किया।सुबह से ही नगरवासी पुनर्निर्वाचित विधायक के स्वागत के लिए तैयारी कर रहे थे। दोपहर में जैसे ही सचिन बिरला बड़वाह पहुंचे।विधायक बिरला का पलक पावडे बिछाकर उनका जोरदार स्वागत किया। कदम कदम पर बिरला को पुष्पमाला पहनाने की होड नजर आई। सोमवार दोपहर 1 बजे विधायक सचिन बिरला का विधायक निर्वाचित होने के बाद पहली बार नगर आगमन हुआ। सरस्वती शिशु मन्दिर के सामने फतेह मार्केट पर पूर्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष सन्नी भाटिया ने भव्य स्वागत के दौरान विधायक बिरला को हाईड्रा मशीन पर बनाए झूले में झुलाया।साथ ही पुष्पवर्षा भी की गई। इसके बाद वार्ड क्रमांक 5 में पार्षद गणेश पटेल एवं कार्यकर्ताओ ने दो क्विंटल देशी घी के लड्डू से विधायक का तुलादान किया।जय स्तंभ चौराहे पर विधानसभा संयोजक लादूराम साहू ने 151 क्विंटल का हलवा वितरण किया। भगवान नागेश्वर से आशीर्वाद लेकर नागेश्वर मन्दिर में विजय जुलुस का समापन हुआ।

काटकूट क्षेत्र में नरहरी दांगी की रणनीति ने दिखाया कमाल

हमेशा से भाजपा का गढ माने जाने वाला काटकूट क्षेत्र इस बार भाजपा प्रत्याशी सचिन बिरला के लिये बडी चुनौती माना जारहा था। कांग्रेस एवं सचिन बिरोधियों लगातार यह खबरे फैलायी जारही थी कि सचिन बिरला को इस बार काटकूट क्षेत्र से तगडा झटका लग सकता है। और राजनीति के प्रखर चाणक्य बन चुके सचिन बिरला अच्छी तरह जानते थे कि यदि काटकूट क्षेत्र में नुकसान हुआ तो जीत की संभावनाओं पर खतरे के हरे बादल

मंडरा सकते है। इसलिये उन्होने काटकूट क्षेत्र को सम्हालने की जिम्मेदारी अपनी खास बी के सबसे विश्वसनीय साथी श्री नरहरी दांगी को सौपी। उनके साथ सचिन बिरला के साले श्री बद्री पटेल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नरहरी दांगी ने भी सचिन बिरला के विश्वास पर खरा उतरते हुये चुनाव के अन्तिम दिनों में पूरे काटकूट क्षेत्र में अपनी बेजोड रणनीति का ऐसा जलवा कायम किया कि कांग्रेस एवं सचिन बिरोधियों के सारे मंसूबे एवं साजीशें फैल होगई। और श्री बिरला ने शानदार जीत अर्जित की। इस लाजबवाब जीत के बाद श्री नरहरी दांगी एक चतुर रणनीतिकार के रूप में उभर कर सामने आये है। जो सचिन बिरला को और अधिक उंचाईयां दिलाने में सफल हो पायेगें।